Laxmi Mata Aarti Lyrics in Hindi English

Laxmi Mata Aarti Lyrics in Hindi

ओम जय लक्ष्मी माता,
मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत,
हरि विष्णु विधाता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

उमा, रमा, ब्रह्माणी,
तुम ही जग-माता,
मैय्या तुम ही जग माता।
सूर्य चंद्रमा ध्यावत,
नारद ऋषि गाता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

दुर्गा रुप निरंजनी,
सुख सम्पत्ति दाता,
मैय्या सुख संपत्ति पाता।
जो कोई तुमको ध्याता,
ऋद्धि सिद्धि धन पाता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

तुम पाताल-निवासिनि,
तुम ही शुभदाता,
मैय्या तुम ही शुभ दाता।
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी,
भवनिधि की त्राता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

जिस घर में तुम रहतीं,
सब सद्गुण आता,

मैय्या सब सद्गुण आता।
सब संभव हो जाता,
मन नहीं घबराता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

तुम बिन यज्ञ न होते,
वस्त्र न कोई पाता,
मैय्या वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव,
सब तुमसे आता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

शुभ गुण मंदिर सुंदर,
क्षीरो दधि जाता,
मैय्या क्षीरो दधि जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन,
कोई नहीं पाता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

महालक्ष्मीजी की आरती,
जो कोई जन गाता,
मैय्या जो कोई जन गाता।
उर आनन्द समाता,
पाप उतर जाता॥
((ओम जय लक्ष्मी माता॥))

ओम जय लक्ष्मी माता,
मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत,
हरि विष्णु विधाता॥
ओम जय लक्ष्मी माता॥

Laxmi Mata Aarti Lyrics in English

Om Jai Lakshmi Mata,
Maiyaa Jai Lakshmi Mata.
Tumko nishidin sewat,

Hari Vishnu Vidhata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Uma, Rama, Brahmani,
Tum hi Jag-Mata,
Maiyaa tum hi Jag Mata.
Surya Chandra dhaavat,
Narad Rishi gatha.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Durga roop Niranjani,
Sukh Sampatti Data,
Maiyaa Sukh Sampatti Paata.
Jo koi tumko dhyaata,
Riddhi Siddhi dhan paata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Tum Patal-Nivasini,
Tum hi Shubh Data,
Maiyaa tum hi Shubh Data.
Karm Prabhav Prakashini,
Bhav Nidhi ki Traata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Jis ghar mein tum rehti,
Sab Sadgun aata,
Maiyaa sab Sadgun aata.
Sab sambhav ho jata,
Man nahi ghabrata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Tum bin yagya na hote,
Vastra na koi paata,
Maiyaa vastra na koi paata.
Khan-paan ka Vaibhav,
Sab tumse aata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Shubh gun mandir sundar,
Ksheer dadhhi jaata,
Maiyaa ksheer dadhhi jaata.
Ratn Chaturdashi tum bin,
Koi nahi paata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Mahalakshmi ji ki Aarti,
Jo koi jan gaata,
Maiyaa jo koi jan gaata.
Ur Anand samaata,
Paap utar jaata.
((Om Jai Lakshmi Mata))

Om Jai Lakshmi Mata,
Maiyaa Jai Lakshmi Mata.
Tumko nishidin sewat,
Hari Vishnu Vidhata.
Om Jai Lakshmi Mata.

About Laxmi Mata Aarti in English

“Laxmi Mata Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Lakshmi, the Hindu goddess of wealth, prosperity, and abundance. This aarti is sung by devotees to seek the blessings of the goddess for financial prosperity, good fortune, and overall well-being. The hymn praises Goddess Lakshmi’s divine qualities and her role in the creation and preservation of wealth, happiness, and harmony in the world.

The aarti highlights various aspects of Goddess Lakshmi’s power, such as her association with Lord Vishnu, her role as a giver of prosperity, and her blessings to those who worship her with devotion. It is believed that chanting this aarti with sincerity and faith can help remove obstacles in life and bring about a positive change in one’s financial and personal circumstances.

Each verse of the aarti describes different forms of Goddess Lakshmi, such as her representation as Durga, the giver of material and spiritual wealth,

and the one who resides in every home, filling it with peace and prosperity. It emphasizes the importance of seeking her blessings for growth and success. The aarti also expresses gratitude for her continuous support and blessings, making it a prayer of both devotion and surrender.

About Laxmi Mata Aarti in Hindi

“लक्ष्मी माता आरती” देवी लक्ष्मी की पूजा में गाई जाने वाली एक प्रसिद्ध भक्ति गीत है, जो समृद्धि, धन, ऐश्वर्य और सुख-शांति की प्राप्ति के लिए गाई जाती है। यह आरती देवी लक्ष्मी के गुणों की सराहना करती है और उनके आशीर्वाद से जीवन में सकारात्मक बदलाव की कामना करती है।

यह आरती देवी लक्ष्मी के विभिन्न रूपों का वर्णन करती है, जैसे वे सुख, संपत्ति, और ऐश्वर्य की देवी हैं, जो अपने भक्तों को समृद्धि, शांति और सुख देती हैं। इस आरती में देवी लक्ष्मी को भगवान विष्णु की संगिनी और सर्वश्रेष्ठ देवी के रूप में पूजा जाता है। यह गीत इस विश्वास को भी मजबूत करता है कि देवी लक्ष्मी की आराधना से जीवन में धन, संपत्ति और समृद्धि आती है।

आरती के प्रत्येक पद में देवी लक्ष्मी के विभिन्न रूपों की महिमा का वर्णन है और उनके आशीर्वाद से सभी कष्टों से मुक्ति प्राप्त करने की प्रार्थना की जाती है। यह आरती धन और ऐश्वर्य की देवी लक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका मानी जाती है। देवी लक्ष्मी की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता के मार्ग खुलते हैं।